झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

IEC/BCC, Monitoring & Evaluation कार्यशाला का आयोजन, मूल्यांकन से ही कार्यक्रम के प्रगति का आकलन किया जा सकता है :– डॉ0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख

रांची, दिनांक 15/4/15 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखण्ड के अंर्तगत, नामकोम स्थित आई0 पी0 एच0 सभागार में Monitoring & Evalution पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन **डॉ0 सुमंत मिश्रा,** निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाऐं झारखण्ड़ के द्वारा किया गया। उन्होने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हम जानते है SBCC (Social and Behavior Change Communication) लोगों में स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम है। जिसमें उनके परिवेश को ध्यान मे रखकर ही, उनकों स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक किया जाता है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के द्वारा अनेक IEC/BCC गतिविधियां चलाई जा रही है, लेकिन हम अपने निर्धारित लक्ष्य तक नही पहुँच पा रहे है इसका एक प्रमुख कारण है Monitoring का सही ढंग से नही होना। इस Monitoring & Evaluation कार्यशाल का मुख्य उद्देश्य Monitoring को प्रभावी बनाना है। IEC/BC गतिविधीयों का बेहतर ढंग से Monitoring हो तो इसके परिणाम में निशिचित रूप से सुधार होगा।

समय से रिपोर्ट (DATA) मिलने पर उसके अनुसार कार्यक्रम निर्धारित किया जा सकता है या उसमें आवश्यकता अनुसार बदलाव किया जा सकता है। IMR (Infant Mortality Rate) तथा MMR (Maternal Mortality Rate) को घटाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है और हम सब मिलकर प्रयास करें तो इसमें जरूर सुधार होगा।

डॉ0 एस0 एस0 लाल, उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवाऐं ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि M&E, SBCC के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है। बिना Monitoring के हमें अपने कार्यक्रमों की खामियों का पता नही चलता है। IEC/BCC गतिविधियों के Monitoring की जिम्मेवारी आपकों दी गई है ताकि बेहतर ढंग से Monitoring हो तथा राज्य IEC Cell को Data मिलता रहें। इसमें आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मूल्यांकन (Evalution) से पता चलता है कि हम अपने लक्ष्य को कहा तक प्राप्त कर पा रहे है।

डॉ0 सुब्रतो मंडल, IHBP, Delhi ने प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को Monitoring के बारिकियों के संबंध में बताया। उन्होने कहा कि CS, ACMO, DPM, DAM DDM में Co- Coordinator बनाकर, IEC/BCC को बेहतर ढ़ंग से क्रियांवित किया जा सकता है।

पंकज कुमार गुप्ता (पूर्व परामर्शी M&E , IHBP) ने कार्यशाला में Monitoring के Format के संबंध में बताया। उन्होने बताया कि Reporting करते समय, किन किन बातों का मुख्य रूप से ध्यान रखना चाहिए तथा रिर्पोर्टिगं फार्मेट को कैसे भरा जाए।

अजय कुमार शर्मा (मिडिया परामर्शी, NRHM) ने PIP तथा IEC/BCC के गतिविधियों के संबंध जानकारी दी। उन्होने चल रहें गतिविधियों के Monitoring करतें समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इसकी जानकारी प्रतिभागियों को दी।

पूर्णलता कुण्डु, प्रशिक्षक M&E IEC Beauro ने जिला तथा प्रखंड स्तरिय Monitoring के संबंध में प्रतिभागियों को बताया। प्रतिभागि के रूप में सभी जिलों के District Data Manger (DDM) ने कार्यशाला में भाग लिया इसके अतिरिक्त IEC Beauro, NHM के सभी कर्मी एवं IHBP से सोमी गुहा हलदर, कार्यशाला में भाग लिया।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग